(घ) सरकार द्वारा अमरीका में भारतीय वस्त्रों के लिए उचित बाजार उपलब्ध कराने और भारतीय निर्यातकों को सरल पद्धति के माध्यम से अपने निर्यातों को बढ़ावा देन हेतु कौन-कौन से कदम उठाये गये हैं; और

(ङ) इस समझौते के परिणामस्वरूप अमरीका को भारतीय वस्त्रों के निर्यात में कितनी वृद्धि होने की संभावना है?

वस्त्र मंत्री (श्री आर० एल० जालप्पा): (क) और (ख) सरकार ने 22 जनवरी, 1994 तथा 31 दिसम्बर, 1994 को संयुक्त राज्य अमरीका के साथ-2 द्विपक्षीय वस्त्र करारों पर हस्ताक्षर किए थे। करारों की मुख्य विशेषताएं निम्न अनुसार थीं:—

1. दिनांक 22-1-1994 का करार

(1) विभिन्न श्रेणियों में उस समय विद्यमान वृद्धि की दरों के अतिरिक्त ऐसे कुल स्तर के 8 प्रतिशत तक के मूल्य के अतिरिक्त के अभिगम्य पर समझौता हुआ जोकि विद्यमान वृद्धि दरों पर करार के सामान्य सेल-ओवर के आधार पर वर्ष 1994 के लिए उपलब्ध होती।

(2) 347/348 (सूती ट्रौजर, स्लैक्स तथा शार्ट्स) तथा 647/648 (सिंथेटिक ट्रौजर, स्लैक्स तथा शार्ट्स) श्रेणियों के बीच विशेष अंतरण को 10 प्रतिशत से बढ़ा कर 15 प्रतिशत तक कर दिया गया था।

2. दिनांक 31-12-94 का करार

(1) श्रेणी 369-ओ, जिसमें अन्य सूती मेड-अप्स आते हैं, तथा जिनका संयुक्त राज्य अमरीका के लिए हमारे कुल कोटों का लगभग 20 प्रतिशत बनता है, पर लगी विशिष्ट सीमा को समाप्त कर दिया गया था।

(2) 218 (यार्न रंजित फैब्रिक्स), 219 (डक फैब्रिक्स), 313 (सूती शीटिंग), 342/642 (सूती तथा मानव निर्मित फाईबर स्कर्ट्स) 347/348 (ट्रौजर/स्लैक्स तथा शार्ट्स) श्रेणियों तथा वर्ग 2 के आधार स्तरों को 5 प्रतिशत तक बढ़ा दिया गया था।

(3) 334/634 (पुरुषों तथा लड़कों के कोट) तथा 351/651 (पाजामों तथा नाईट वियर) श्रेणियों में हथकरघा फैब्रिक के शत प्रतिशत सूती परिधानों के लिए 5 प्रतिशत का अतिरिक्त कोटा दिया गया था।

(4) कुछ श्रेणियों में अतिरिक्त लोचशीलता जैसे स्विंग, विशेष स्विंग आदि प्रदान की गई थी।

(ग) कोटा उपयोग के आंकड़ों से पता चलता है कि ट्रौजर (स्लैक्स) शार्ट्स, लेडी स्कर्ट्स ड्रेसिस, डक फैब्रिक्स जैसी मदों की इस समय अमरीका में अच्छी मांग है।

(घ) संयुक्त राज्य अमरीका को वस्त्रों और परिधान उत्पादों के निर्यात द्विपक्षीय वस्त्र करार द्वारा संचालित होते हैं। अधिकांश श्रेणियों में कोटा उपयोग पूर्ण है। संयुक्त राज्य अमरीका सहित सभी देशों को भारत से परिधानों के निर्यात को बढ़ाने के लिए सरकार अनेक कदम उठाती रही है जिनमें क्रेता-विक्रेता बैठकों, मेलों व प्रदर्शनियों में निर्यातकों की सहभागिता को प्रोत्साहित करना, निर्यात उत्पादन के लिए रियायती शुल्क पर पूंजीगत वस्तुओं को आयात करना, निर्यात उत्पादन के लिए कच्चे माल का शुल्क मुक्त आयात की विशेष व्यवस्था करना, निर्यात ऋण की बढ़ी हुई उपलब्धता को सुनिश्चित करना आदि शामिल है।

(ङ) करार के फलस्वरूप संयुक्त राज्य अमरीका को परिधानों के निर्यात में पर्याप्त वृद्धि होने की आशा थी। लेकिन आर्थिक मंदी तथा फुटकर क्रियाकलाप में गिरावट आने के कारण संयुक्त राज्य अमरीका को परिधानों के निर्यात में वास्तव में वर्ष 1994 की तुलना में 1995 में मात्रा के रूप में 0.4 प्रतिशत तक की गिरावट आई।

Youth Exchange Programmes with other Countries

365. SHRI BHUPINDER SINGH MANN: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether youth exchange programmes with other countries have been taking place for technological improvement and betterment of relations like in the field of agriculature;

(b) if so, the details of such countries including Israel and the areas wherein such interaction has occured; and

(c) what has been the overall impact?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI I.K. GUJRAL): (a) to (c) Inforamtion is being collected and will be laid on the Table of the House.